दैनिक
पंचकूला ऑब्जर्वर
सच के साथ, समाज के साथ

वर्ष : 1 | अंक : 68 | पंचकूला। मंगलवार, 14 अप्रैल 2026 | www.panchkulaobserver.com | मूल्य : 3 रुपए | RNI No. : HRBIL/25/4317 | पृष्ठ : 4

सुविचार

समय और भाग्य दोनों परिवर्तनशील हैं। इसलिए अच्छे समय में अभिमान और कठिन समय में चिंता न करें।

एक नजर

बंगाल : सुप्रीम कोर्ट ने एसआईआर पर उठाए सवाल

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन मामले पर सुनवाई के दौरान गंभीर सवाल उठाए। चीफ जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस जॉयमाल्या बागची की बेंच ने कहा कि यह राज्य बनाम चुनाव आयोग की लड़ाई नहीं है। बंगाल का वोटर दोनों के बीच फंसा हुआ है। जस्टिस बागची ने आयोग से कहा- मान लीजिए कि जीत का अंतर 2 प्रतिशत है और 15 प्रतिशत मतदाता वोट नहीं डाल सके, तो हमें इस पर सोचना होगा। यह चिंता का मामला हो सकता है। यह मत समझिए कि बाहर किए गए मतदाताओं का सवाल हमारे दिमाग में नहीं है।

खाने-पीने की चीजें महंगी, मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4 प्रतिशत हुई

नई दिल्ली। मार्च में रिटेल महंगाई बढ़कर 3.4 प्रतिशत पहुंच गई है। इससे पहले फरवरी में यह 3.21 प्रतिशत थी। यह जानकारी सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा सोमवार को दी गई। मंत्रालय ने कहा कि मार्च में ग्रामीण इलाकों में खुदरा महंगाई दर 3.63 प्रतिशत और शहरी इलाकों में खुदरा महंगाई दर 3.11 प्रतिशत रही है। खाद्य महंगाई दर मार्च में 3.87 प्रतिशत रही है और फरवरी में यह 3.47 प्रतिशत थी। मार्च में ग्रामीण इलाकों में खाद्य महंगाई दर 3.96 प्रतिशत रही है और शहरी इलाकों में यह 3.71 प्रतिशत थी।

जीएनपीएस व पंचकूला स्ट्राइकर्स फाइनल में, आज होगा खिताबी मुकाबला

चंडीगढ़। सरदार जीएस बांगा मेमोरियल अंडर-19 क्रिकेट टूर्नामेंट अब अपने अंतिम चरण में पहुंच गया है। जीएनपीएस और पंचकूला स्ट्राइकर्स ने शानदार प्रदर्शन करते हुए फाइनल में जगह बना ली है। खिताबी मुकाबला मंगलवार को सेक्टर-16 क्रिकेट स्टेडियम, चंडीगढ़ में खेला जाएगा। सोमवार को खेले गए मुकाबले में जीएनपीएस ने टाइगर्स को 8 विकेट से हराया। टाइगर्स की टीम 105 रन पर सिमट गई, जबकि जीएनपीएस ने लक्ष्य को महज 9.1 ओवर में हासिल कर लिया। दूसरे मैच में एलीट पाथ्वे इलेवन ने सनराइज टीम को 26 रन से हराया। अब फाइनल में जीएनपीएस और पंचकूला स्ट्राइकर्स के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।

तीन नगर निगमों व पंचायत उपचनावों का बजा बिगुल

10 को मतदान, पंचायतों के 528 पदों के लिए भी होगी वाटिंग

राज्य चुनाव आयोग ने जारी किया चुनाव कार्यक्रम, संबंधित क्षेत्रों में आचार संहिता लागू

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 13 अप्रैल। हरियाणा राज्य चुनाव आयुक्त श्री देविंदर सिंह कल्याण ने आज पंचकूला स्थित राज्य चुनाव आयोग के कार्यालय में नगर निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी, जिसके साथ ही संबंधित क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता तुरंत प्रभाव से लागू हो गई है।

इस घोषणा के अनुसार, अंबाला, पंचकूला और सोनीपत नगर निगमों के महापौरों और पार्षदों के साथ-साथ रेवाड़ी नगर परिषद तथा सांपला, धारूहेड़ा एवं उकलाना नगर पालिकाओं के अध्यक्षों व सभी वार्डों के सदस्यों के लिए आम चुनाव कराए जाएंगे।

साथ ही, टोहाना, झज्जर, राजौंद, तरावड़ी, कनीना और सढौरा की नगर परिषदों एवं नगर पालिकाओं के विभिन्न वार्डों की 6 रिक्त सीटों पर सदस्यों के लिए उपचुनाव भी संपन्न होंगे।

पंचायती राज संस्थाओं के तहत हिसार के ग्राम पंचायत मंडी आदमपुर और जवाहर नगर तथा कैथल के गोविंदपुरा और पोलड़ में आम चुनाव होंगे, जबकि प्रदेश की अन्य 528 खाली सीटों (पंच, सरपंच, पंचायत समिति और जिला परिषद) पर उपचुनाव की प्रक्रिया पूरी की जाएगी। चुनाव की इस घोषणा के साथ ही संबंधित नगर निकाय और पंचायत क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता 13 अप्रैल, 2026 से तुरंत प्रभावी हो गई है, जिसके अंतर्गत चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक संबंधित अधिकारियों और कर्मचारियों के स्थानांतरण पर भी रोक लगा दी गई है।

चुनाव कार्यक्रम के अनुसार, नामांकन के लिए रिटर्निंग ऑफिसर द्वारा नोटिस 15 अप्रैल, 2026 को जारी किया जाएगा और उम्मीदवार 21 अप्रैल से 25 अप्रैल, 2026 के बीच सुबह 11:00 बजे से दोपहर 3:00 बजे तक अपने नामांकन पत्र दाखिल कर सकेंगे। नामांकन पत्रों की जांच 27 अप्रैल को की जाएगी और उम्मीदवार 28 अप्रैल, 2026 को दोपहर 3:00 बजे तक अपना नाम वापस ले सकते हैं, जिसके तुरंत बाद उम्मीदवारों को चुनाव चिन्ह आवंटित कर दिए जाएंगे।

इन सभी पदों के लिए मतदान 10 मई, 2026 को सुबह 8:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक आयोजित किया जाएगा। नगर निकायों के मतों की गणना 13 मई को सुबह 8:00 बजे से निर्धारित केंद्रों पर शुरू होगी, जबकि पंचायती राज संस्थाओं के लिए मतगणना मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद या आवश्यकतानुसार 12 मई को पुनर्मतदान की स्थिति में संपन्न की जाएगी।

शैक्षणिक योग्यता के मानदंडों को स्पष्ट करते हुए आयोग ने बताया कि नगर निगम महापौर और नगर परिषद/पालिका अध्यक्ष पद के लिए अनारक्षित और पिछड़ा वर्ग के उम्मीदवारों का 10वीं पास होना अनिवार्य है, जबकि महिलाओं और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए यह योग्यता 8वीं पास रखी गई है। पंचायती राज संस्थाओं में पंच, सरपंच और सदस्य पद हेतु सामान्य श्रेणी के लिए 10वीं पास होना आवश्यक है, जबकि महिलाओं और अनुसूचित जाति के उम्मीदवारों के लिए 8वीं पास की योग्यता तय की गई है। विशेष रूप से, अनुसूचित जाति की उन महिला उम्मीदवारों के लिए, जो पंच (सदस्य ग्राम पंचायत), नगर परिषद/पालिका एवं निगम की सदस्य का चुनाव लड़ना चाहती हैं, न्यूनतम शैक्षणिक योग्यता 5वीं पास निर्धारित की गई है।

नोटा का विकल्प भी

मतदाताओं को नोटा का विकल्प भी दिया जाएगा। आयोग ने स्वतंत्र और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए भारी पुलिस बल और वरिष्ठ अधिकारियों को ऑब्जर्वर के रूप में तैनात करने का निर्णय लिया है तथा प्रदेश के मतदाताओं से बिना किसी भेदभाव के भारी संख्या में मतदान करने की अपील की है। मतदाताओं की सुविधा को ध्यान में रखते हुए आयोग ने निर्देश दिए हैं कि इस बार मतदाता पर्चियां (वोटर स्लिप) जिला प्रशासन द्वारा संबंधित मतदाताओं के घर-घर पहुंचाकर वितरित की जाएंगी। यह वितरण मतदान तिथि से कम से कम तीन दिन पूर्व सुनिश्चित किया जाएगा, ताकि प्रत्येक मतदाता को अपने मतदान केंद्र और बूथ की स्पष्ट जानकारी समय रहते मिल सके तथा वह मतदान के दिन निर्धारित स्थल पर पहुंचकर सुगमता से अपने मताधिकार का प्रयोग कर सके।

इसके अतिरिक्त,चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के लिए खर्च की सीमा भी तय की गई है, जिसमें नगर निगम महापौर के लिए अधिकतम 30 लाख रुपये और सदस्यों के लिए 7.50 लाख रुपये निर्धारित हैं। पंचायती राज में सरपंच के लिए यह सीमा 2 लाख रुपये और जिला परिषद सदस्य के लिए 6 लाख रुपये रखी गई है। सभी उम्मीदवारों को चुनाव परिणाम के 30 दिनों के भीतर अपने खर्च का ब्यौरा जमा करना होगा। पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए आपराधिक पृष्ठभूमि वाले उम्मीदवारों को अपने मामलों की जानकारी दो प्रमुख समाचार पत्रों और स्थानीय टीवी चैनलों पर कम से कम तीन अलग-अलग तिथियों पर प्रसारित करनी होगी। चुनाव में ईवीएम का उपयोग किया जाएगा, जिसमें महापौर और अध्यक्ष के लिए गुलाबी रंग का मतपत्र तथा सदस्यों के लिए सफेद रंग का मतपत्र होगा, जिस पर उम्मीदवार की फोटो भी अंकित होगी।

पंचकूला में मेयर पद के लिए अरुण ग्रोवर, कुलभूषण गोयल और अमित जिंदल के नाम की चर्चा

अरुण ग्रोवर

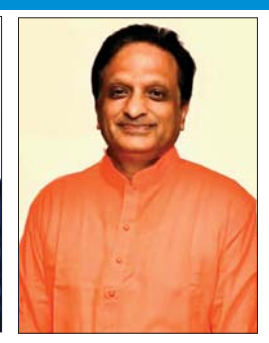
कुलभूषण गोयल

अमित जिंदल

मनीष बंसल

सुधा भारद्वाज

उपिंदर कौर

अनिल

ओपी सिहाग

मनोज अग्रवाल

संजीत कुमार सिंह

पंचकूला। नगर निगम पंचकूला के चुनाव की घोषणा हो गई है। अब टिकट के दावेदार लाबिंग में जुट गए हैं। 10 मई को मतदान होगी। 13 मई को पंचकूला का नया मेयर मिल जाएगा। भाजपा एवं कांग्रेस में प्रमुख तौर पर टक्कर मानी जा रही है। मेयर उम्मीदवारों की ग्राउंड रिपोर्ट पर दोनों ही पार्टियां जानकारी जुटा रही है। समाजसेवी अरुण ग्रोवर का नाम भी चर्चा में है। अरुण ग्रोवर पंचकूला चैंबर्स आफ कामर्स एंड इंडस्ट्रीज के चेयरमैन हैं। पंजाबी समुदाय में अच्छी पक? रखते हैं। पंजाबी नेता के तौर पर उनकी काफी प्रभाव है। अरुण ग्रोवर पर अगर भाजपा दांव खेलती है, तो जीत आसान हो सकती है। अरुण ग्रोवर कई अन्य संस्थाओं से जुड़े हुए हैं। भाजपा में मेयर पद के लिए बणिया समाज से प्रमुख तौर पर पूर्व मेयर कुलभूषण गोयल एवं अग्रवाल सभा के पूर्व संयोजक अमित जिंदल का नाम सामने आ रहा है। कुलभूषण गोयल को चुनाव ल?ने का अनुभव और पार्टी के साथ लोगों में काफी पकड़ है।

इसलिए पार्टी उन पर दोबारा दांव खेल सकती है। कुलभूषण गोयल अपने विकास कार्यों के दम पर दोबारा मैदान में हो सकते हैं। वहीं अमित जिंदल ने भी टिकट के लिए पूरी ताकत झोंक रखी है। वह पार्टी के नेताओं से मिल चुके हैं। अमित जिंदल कई संस्थाओं से जु? हुए हैं। इसके अतिरिक्त भाजपा नेता शाम लाल बंसल, भाजपा नेत्री रंजीता मेहता, प्रदीप गोयल, अनिल थापर भी टिकट मांग रहे हैं। कांग्रेस से टिकट के लिए पूर्व केंद्रीय मंत्री पवन कुमार बंसल के बेटे मनीष बंसल पर चुनाव ल?ने के लिए जिला स्तरीय नेताओं का दबाव है और पार्टी हाईकमान भी चाहता है कि मनीष बंसल मैदान में उतरें। इसके अतिरिक्त हरियाणा महिला कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सुधा भारद्वाज, पूर्व मेयर उपिंद्र कौर आहलूवालिया, पूर्व नगर परिषद प्रधान रविंद्र रावल में से किसी एक पर कांग्रेस दांव सकती है। आम आदमी पार्टी में अंबाला लोकसभा अध्यक्ष सुरेंद्र राठी, जिला प्रधान राजीव मनोचा और जॉइनिंग कमेटी के अध्यक्ष अनिल पंगोत्रा मैदान संभाल चुके हैं। इनेलो से जिला शहरी प्रधान मनोज अग्रवाल को मैदान में उतारा जा सकता है। जननायक जनता पार्टी भी पीछे नहीं है। जिला अध्यक्ष ओपी सिहाग को मेयर पद पर उतारने की तैयारी अंतिम दौर में बताई जा रही है। आम आदमी पार्टी से अनिल पंगौत्रा का नाम पूरी चर्चा में है। अनिल पंगौत्रा पिछले चुनाव में बसपा से चुनाव ल? चुके हैं। अनिल पंगौत्रा काफी अच्छा होल्ड भी है। पूरी खबर को शानदार ढंग से बना दो

अमेरिका को ईरानी पोर्ट पर हमला न करने की चेतावनी

ईरान बोला- हमारे पोर्ट को निशाना बनाया तो इलाके का कोई बंदरगाह सुरक्षित नहीं रहेगा

तेहरान। ईरान ने अमेरिका को चेतावनी दी है कि अगर उसके बंदरगाहों को निशाना बनाया गया, तो फारस की खाड़ी और ओमान सागर में कोई भी पोर्ट सुरक्षित नहीं रहेगा। ईरान की सेना और रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने कहा कि क्षेत्र की समुद्री सुरक्षा सभी देशों की साझा जिम्मेदारी है। अगर सुरक्षा सबके लिए नहीं होगी, तो किसी के लिए भी नहीं होगी। वहीं, अमेरिकी सेंट्रल कमांड ने घोषणा की है कि अमेरिका सोमवार से ईरान के बंदरगाहों और तटीय इलाकों पर नाकाबंदी (ब्लॉकेड) लागू करने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत ईरान के

बंदरगाहों में आने-जाने वाले सभी देशों के जहाजों पर नजर रखी जाएगी और उन्हें रोका जा सकता है।

इधर, लेबनान के उग्रवादी संगठन हिजबुल्लाह ने दावा किया है कि उसने इजराइल के कई ठिकानों और बस्तियों पर एक साथ कई हमले किए हैं।

डिजिटल जनगणना 2027 : पंचकूला में तैयारियां तेज

नगर निगम आयुक्त विनय कुमार ने नागरिकों से सक्रिय भागीदारी की अपील की

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला, 13 अप्रैल। नगर निगम के प्रमुख जनगणना अधिकारी सह आयुक्त श्री विनय कुमार ने बताया कि हरियाणा में जनगणना 2027 का कार्य प्रारंभ हो चुका है। नगर निगम क्षेत्र में जनगणना से संबंधित सभी तैयारियाँ सुचारु रूप से प्रगति पर हैं। प्रशिक्षण कार्यक्रम निर्धारित समयानुसार संचालित किए जा रहे हैं और सभी अधिकारी एवं कर्मचारी पूर्ण जिम्मेदारी, दक्षता एवं समर्पण के साथ इस राष्ट्रीय कार्य को सफल बनाने में जुटे हुए हैं।

विनय कुमार आज नगर निगम कार्यालय, सेक्टर-14 में आयोजित प्रेसवार्ता को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर जिला जनगणना समन्वयक मधु यादव भी उपस्थित थी। उन्होंने बताया कि यह देश की पहली पूर्णतः डिजिटल जनगणना होगी। आधुनिक तकनीक, डिजिटल उपकरणों तथा ऑनलाइन प्लेटफॉर्म के उपयोग से इस बार जनगणना प्रक्रिया को अधिक सटीक, पारदर्शी, समयबद्ध एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। उन्होंने जानकारी दी कि जनगणना एक व्यापक, वैज्ञानिक एवं सुव्यवस्थित प्रक्रिया है, जिसे दो प्रमुख चरणों में संपन्न किया जाता है। पहला चरण 'हाउस लिस्टिंग एवं हाउसिंग सेंसस' 1 मई से प्रारंभ होगा। इस चरण के अंतर्गत प्रत्येक आवासीय इकाई का विवरण, घर की संरचना, उपलब्ध सुविधाएँ जैसे पेयजल, शौचालय, बिजली आदि तथा अन्य आधारभूत जानकारियाँ एकत्र की जाएंगी। यह चरण अत्यंत महत्वपूर्ण है, क्योंकि इसी के आधार पर आगे की जनसंख्या गणना का ढांचा तैयार किया जाता है।

दूसरा चरण 'जनसंख्या गणना फरवरी 2027 में आयोजित किया जाएगा। इस चरण में प्रत्येक व्यक्ति से संबंधित आवश्यक जानकारी जैसे आयु, लिंग, शिक्षा, व्यवसाय आदि का संकलन किया जाएगा। यह डेटा शासन एवं प्रशासन को साक्ष्य-आधारित नीतियों, योजनाओं एवं कल्याणकारी कार्यक्रमों के निर्माण में महत्वपूर्ण आधार प्रदान करता है।

जनगणना को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए एक सुदृढ़ एवं बहु-स्तरीय प्रशिक्षण तंत्र विकसित किया गया है। इस प्रक्रिया में सर्वप्रथम मास्टर ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जाता है। ये मास्टर ट्रेनर्स आगे फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षण देते हैं और फील्ड ट्रेनर्स द्वारा प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षित किया जाता है। यह चरणबद्ध प्रशिक्षण प्रणाली सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक स्तर पर कार्यरत कार्मिकों को उनके दायित्वों की स्पष्ट समझ हो तथा वे आधुनिक डिजिटल उपकरणों का प्रभावी ढंग से उपयोग कर सकें। उन्होंने बताया कि नगर निगम में कुल 457 हाउस लिस्टिंग ब्लॉक्स निर्धारित किए गए हैं। प्रशिक्षण व्यवस्था के अंतर्गत 2 मास्टर ट्रेनर्स द्वारा 8 फील्ड ट्रेनर्स को प्रशिक्षित किया जा चुका है। ये फील्ड ट्रेनर्स आगे प्रगणकों एवं पर्यवेक्षकों को प्रशिक्षण देंगे। इस महत्वपूर्ण कार्य के लिए निगम क्षेत्र में कुल 528 प्रगणक एवं पर्यवेक्षक तैनात किए गए हैं, जो जनगणना के विभिन्न चरणों में अपनी जिम्मेदारियाँ निभाएंगे। स्व-गणना के दौरान दर्ज की गई सभी जानकारी पूर्णतः सुरक्षित एन्क्रिप्टेड सिस्टम में संग्रहित की जाती है।

भक्ति

पंचकूला में श्रीमद् भागवत कथा का समापन, वैष्णव तिलक और हरिनाम की महिमा का हुआ वर्णन

'हरे कृष्णा... महामंत्र का जाप और भक्ति ही भगवत प्राप्ति का सर्वोत्तम साधन'

पंचकूला ऑब्जर्वर

पंचकूला। हरे कृष्णा प्रचार समिति पंचकूला (इस्कॉन कुरुक्षेत्र) की ओर से अग्रवाल भवन में आयोजित श्रीमद् भागवत कथा का भक्तिमय वातावरण में समापन हुआ। कथा के अंतिम दिन श्रद्धालुओं की भारी उपस्थिति रही और भजन-कीर्तन के साथ कार्यक्रम संपन्न हुआ।

कथा व्यास साक्षी गोपाल दास ने वैष्णव तिलक की महिमा बताते हुए कहा कि जिस मनुष्य के मस्तक पर वैष्णव तिलक होता है, उसका शरीर भगवान का मंदिर बन जाता है और वह भगवान की शरण में होता है। ऐसे भक्त की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं और यमदूत भी उसका कुछ नहीं बिगाड़ सकते।

उन्होंने श्री चैतन्य महाप्रभु के जीवन पर प्रकाश डालते हुए बताया

कि वे भगवान श्रीकृष्ण के अवतार थे। उनके पिता का नाम जगन्नाथ मिश्रा और माता का नाम देवी शाची था। बचपन में उनका नाम 'निमाई' था, क्योंकि उनका जन्म नीम के पेड़ के नीचे हुआ था। चैतन्य महाप्रभु ने उपदेश दिया कि कलयुग में केवल हरि नाम ही मोक्ष का मार्ग है। ÷हरे कृष्णा÷ महामंत्र का जाप और भक्ति ही भगवत प्राप्ति का सर्वोत्तम साधन है। कथा के दौरान उन्होंने भक्ति परंपरा के चार प्रमुख नियमों का भी उल्लेख किया–जुआ न खेलना, अवैध संबंधों से दूर रहना, मदिरा, तंबाकू व नशे का सेवन न करना तथा मांस, मछली और अंडे का त्याग कर शुद्ध शाकाहारी भोजन ग्रहण करना। उन्होंने कहा कि इन नियमों का पालन करने से मन शुद्ध होता है और जीवन में सकारात्मकता आती है। समापन अवसर पर कथा व्यास को वस्त्र भेंट कर सम्मानित किया गया। इस दौरान अध्यक्ष रविंद्र चौहान, सुरेंद्र गर्ग, नीरज गोयल, कृष्ण गोयल, राज गोविंद दास, सत्यव्रत शर्मा, कमल खेरा, अनिल गर्ग, राम बक्श, हरि मित्र दास, अनिल भाटिया, हरबंस लाल, नीरज कुमार, वैभव पुनीत खुराना, अमित मिड्ढा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया। कार्यक्रम के पश्चात सेक्टर-12 स्थित मकान नंबर 214-2115 में प्रवचन व कीर्तन के साथ श्रद्धालुओं के लिए स्वादिष्ट प्रसाद एवं व्यंजनों का वितरण किया गया। अंत में समिति के सदस्यों ने साक्षी गोपाल दास एवं उनके साथ आए वैष्णव भक्तों को भावभीनी विदाई दी। समापन अवसर पर अध्यक्ष रविंद्र चौहान, सुरेंद्र गर्ग, नीरज गोयल, कृष्ण गोयल, राज गोविंद दास, सत्यव्रत शर्मा, कमल खेरा, अनिल गर्ग, राम बक्श, हरि मित्र दास, अनिल भाटिया, हरबंस लाल, नीरज कुमार, वैभव, पुनीत खुराना, अमित मिड्ढा सहित अनेक श्रद्धालुओं ने आरती में भाग लिया। इसके अलावा प्रवीण चौहान, रजनीश चौहान, रजनी चोपड़ा, अनिल चोपड़ा, सुनील जैन, अमित चौहान, रेखा चौहान, मनित चौहान, सुमित चौहान, महक चौहान सहित अन्य श्रद्धालु भी उपस्थित रहे।

श्रमिकों का उग्र प्रदर्शन

नोएडा, 13 अप्रैल। नोएडा में श्रमिकों के प्रदर्शन ने सोमवार को उग्र रूप ले लिया, जिसके चलते पूरे शहर में तनावपूर्ण माहौल बना हुआ है। विभिन्न औद्योगिक क्षेत्रों में हजारों की संख्या में श्रमिक सड़कों पर उतर आए और जगह-जगह विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। इस दौरान प्रमुख मार्गों पर लंबा जाम लग गया, जिससे आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ। प्रदर्शन के चलते नोएडा के फेस-2, सेक्टर 62, सेक्टर 1 और सेक्टर 63 जैसे प्रमुख औद्योगिक इलाकों में हालात काफी गंभीर बने हुए हैं। सड़कों पर वाहनों की लंबी कतारें देखी गई और लोगों को अपने गंतव्य तक पहुंचने में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ा। खासकर स्कूलों से निकलने वाली बसें भी जाम में फंस गई, जिसके कारण बच्चों को घर पहुंचने में काफी देर हुई।

पंजाब विधान सभा का विशेष सत्रः श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) विधेयक-2026 सर्वसम्मति से पास

बेअदबी के मामलों में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान

■ सीएम मान बोले- दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब विधानसभा ने 'जागत जोत श्री गुरू ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026' सर्वसम्मति से पास कर दिया है। इस बिल के तहत श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी के मामलों में उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान किया गया है, जिससे यह देश के सबसे सख्त कानूनों में शामिल हो गया है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि नए कानून के तहत बेअदबी के मामलों में तेजी से जांच होगी, अपराध गैर-जमानती होंगे और दोषियों पर 20 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकेगा। उन्होंने बताया कि कानून का उल्लंघन करने पर 5 साल तक की सजा, बेअदबी के लिए 7 से 20 साल की कैद और धार्मिक सद्भावना भंग करने पर 10 साल से लेकर उम्रकैद तक की सजा का प्रावधान है। बेअदबी में मदद करने वालों को भी मुख्य दोषी के बराबर सजा दी जाएगी।

बेअदबी के मामलों में समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होगी

मान ने कहा कि यह कानून पिछली सरकारों की कमियों को दूर करता है और भविष्य में ऐसे अपराधों को रोकने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने विपक्ष पर आरोप लगाया कि पहले की सरकारों ने इस मुद्दे पर सिर्फ राजनीति की, जबकि उनकी सरकार ने ठोस कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी की बेअदबी मानवता के खिलाफ अपराध है और इसे किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। उन्होंने भरोसा दिलाया कि दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और यह कानून दूसरों के लिए नजीर बनेगा। उन्होंने यह भी बताया कि बेअदबी के मामलों में समझौते की कोई गुंजाइश नहीं होगी और जांच को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाएगा। इसके अलावा, पवित्र ग्रंथों को ले जाने वाले विशेष वाहनों को मोटर व्हीकल टैक्स से छूट देने का भी फैसला लिया गया है, जिससे धार्मिक संस्थाओं को राहत मिलेगी।

बेअदबियों रोकने के लिए मील का पत्थर साबित होगा एक्ट

सीएम ने कहा कि पंजाबियों ने हमेशा राज्य में शांति और भाईचारे के सिद्धांतों को कायम रखा है और कोई भी राज्य के गहरे सामाजिक ताने-बाने को कभी भी तबाह नहीं कर सकेगा। हर कीमत पर शांति और भाईचारिक साझा बनाए रखने का दृढ़ इरादा रखते हुए हमारी सरकार ऐसी किसी भी कोशिश को नाकाम कर देगी, जो राज्य की भाईचारक सांझ, तरक्की और खुशहाली के लिए खतरा पैदा कर सकती है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी हर सिख के पिता हैं और राज्य सरकार इस पवित्र ग्रंथ की सुरक्षा सुनिश्चित बनाने के लिए वचनबद्ध है। मुख्यमंत्री ने कहा कि अगर श्री गुरू ग्रंथ साहिब पंजाब में सुरक्षित नहीं तो फिर और कहीं नहीं हो सकते। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक्ट बेअदबियों को रोकने के लिए एक ऐतिहासिक मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी विश्वव्यापी भाईचारे, धर्म निरपेक्षता और समाजवादी मूल्यों का खजाना हैं, जिनसे मानवता को दिशा मिलती है। श्री गुरू ग्रंथ साहिब जी का संदेश और दर्शन मानवता को आपसी सद्भावना, एकता, शांति और दया-भावना का मार्ग दिखाता है, जो दुनिया भर में प्रासंगिक है।

बेअदबी के जिम्मेदार ने संगत के समक्ष अपराध कबूल किया था

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान ने कहा कि जो लोग बेअदबी के लिए जिम्मेदार हैं, उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब के सामने पेश होकर पूरे संगत के समक्ष अपना अपराध कबूल किया था। हालांकि, जब उन्हें लगा कि यह उनके राजनीतिक हितों के अनुकूल नहीं है, तो उन्होंने कुछ समय बाद यू-टर्न ले लिया और कहा कि कुछ लोग उन्हें बदनाम करने के लिए केंद्रीय एजेंसियों के हाथों में खेल रहे हैं। उन्होंने कहा कि पूरा राज्य इन नेताओं का असली चेहरा जानता है, जिन्होंने हमेशा अपनी राजनीतिक चालों के माध्यम से लोगों को गुमराह किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि श्री अकाल तख्त साहिब के जत्थेदार इन नेताओं की मर्जी और इच्छा के अनुसार चुने जाते रहे हैं, जो पूरी तरह अनुचित और न माफी योग्य है।

मान सरकार ने श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता बनाए रखने के लिए ऐतिहासिक संशोधन बिल किए पेश

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 13 अप्रैल। भगवंत मान सरकार द्वारा आज एक सख्त संशोधन बिल पेश किया गया, जिसमें 'बेअदबी' के मामलों में उम्रकैद की सजा का प्रावधान किया गया है। कैबिनेट मंत्री हरजोत सिंह बैंस ने इस बिल को न्याय की दिशा में एक ऐतिहासिक और महत्वपूर्ण कदम बताया। आज जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026 विधानसभा में पेश किया गया। यह कदम राज्य सरकार की पिछली सरकारों से अलग सोच को दर्शाता है, जिसके तहत सरकार ने सख्त और समयबद्ध कार्रवाई करने तथा 'बेअदबी' के मामलों में किसी भी प्रकार के समझौते की गुंजाइश खत्म करने के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

पंजाब विधानसभा में इस ऐतिहासिक बिल पर चर्चा शुरू करते हुए विधायक श्री आनंदपुर साहिब हरजोत सिंह बैंस ने मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा के प्रति प्रतिबद्धता पर जोर दिया। उन्होंने गर्व से कहा, मैं आज केवल एक विधायक नहीं हूं। मैं उस धरती की आवाज हूं, जहां श्री गुरु गोबिंद सिंह जी ने 327 वर्ष पहले 13 अप्रैल को पूरी दुनिया को खालसा का उपहार दिया था।

आम आदमी पार्टी के नेतृत्व वाली राज्य सरकार की पहलों की तुलना पिछली सरकारों से करते हुए उन्होंने कहा, तथाकथित 'पंथक' सरकारें श्री गुरु ग्रंथ साहिब की पवित्रता की रक्षा के लिए सख्त कानून बनाने में असफल रहीं, बल्कि उनमें से कुछ नेता बेअदबी के मामलों में दोषी भी थे और बाद में उन्होंने श्री अकाल तख्त साहिब में अपने अपराध स्वीकार किए थे। हम साधारण पृष्ठभूमि से हैं और यहां तक पहुंचने की कभी कल्पना भी नहीं की थी। आज इस सरकार के माध्यम से बादशाह दरवेश श्री गुरु गोबिंद सिंह जी स्वयं हमसे यह सेवा करवा रहे हैं।

एक नजर

पंजाब के गवर्नर गुलाब चंद कटारिया 16-18 अप्रैल को पठानकोट दौरे पर

पठानकोट, 13 अप्रैल। पंजाब के माननीय गवर्नर गुलाब चंद कटारिया 16 से 18 अप्रैल तक पठानकोट के विशेष दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वे विभिन्न प्रशासनिक, शैक्षणिक और सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेकर लोगों से संवाद करेंगे तथा विकास कार्यों की समीक्षा भी करेंगे। उनके दौरे को लेकर जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। दौरे की तैयारियों के मद्देनज़र डिप्टी कमिश्नर डॉ. पल्लवी की अध्यक्षता में डिस्ट्रिक्ट एडमिनिस्ट्रेटिव कॉम्प्लेक्स, मलिकपुर में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में एसएसपी पठानकोट दलजिंदर सिंह ढिल्लों, एसडीएम अर्शदीप सिंह, तहसीलदार परमप्रीत सिंह गोराया, जिला शिक्षा अधिकारी (सेकेंडरी/एलिमेंट्री) कमलदीप कौर, सिविल सर्जन डॉ. सुनीता शर्मा सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। बैठक के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने बताया कि 16 अप्रैल को गवर्नर महाराणा प्रताप स्कूल, मांग्याल मनवाल में आयोजित विशेष कार्यक्रम में वीडीसी सदस्यों को संबोधित करेंगे। इस कार्यक्रम में ग्रामीण सुरक्षा और सामुदायिक भागीदारी को लेकर चर्चा की जाएगी। 17 अप्रैल को गवर्नर मॉडर्न संदीपनी स्कूल, पठानकोट से एबी कॉलेज, पठानकोट तक पैदल मार्च का नेतृत्व करेंगे। यह मार्च नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक और स्थानीय नागरिक भाग लेंगे। इसके बाद गवर्नर फंगोटा, न्यारी और रावी सदन रेस्ट हाउस, शाहपुरकंडी में वीडीसी सदस्यों के साथ अलग-अलग बैठकों में भाग लेंगे और जमीनी स्तर पर सुरक्षा से जुड़े मुद्दों पर चर्चा करेंगे। 18 अप्रैल को गवर्नर श्री साईं कॉलेज, बधानी में बॉर्डर क्षेत्र के स्कूलों के प्रिंसिपलों के साथ विशेष बैठक करेंगे। इस बैठक में सीमावर्ती क्षेत्रों में शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने, छात्रों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने और शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार पर विचार-विमर्श किया जाएगा। डिप्टी कमिश्नर डॉ. पल्लवी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि वे गवर्नर के दौरे को सुचारू और सफल बनाने के लिए आपसी समन्वय के साथ कार्य करें। बैठक के दौरान विभिन्न अधिकारियों को अलग-अलग जिम्मेदारियां भी सौंपी गईं, ताकि कार्यक्रमों का आयोजन व्यवस्थित ढंग से किया जा सके।

शिरोमणि अकाली दल होशियारपुर के हल्का इंचार्ज संजीव तलवाड़ महर्षि वाल्मीकि आश्रम में नतमस्तक हुए

होशियारपुर। शिरोमणि अकाली दल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष और निर्वाचन क्षेत्र होशियारपुर के प्रभारी संजीव तलवाड़ आज अपने साथियों सहित महर्षि वाल्मीकि जी के पवित्र आश्रम में नतमस्तक हुए। इस अवसर पर उन्होंने आश्रम में माथा टेका और 'सर्वत्र के भले' (सृष्टि के कल्याण) की अरदास की। संजीव तलवाड़ ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि जी की शिक्षाएं पूरी मानवता के लिए मार्गदर्शक हैं। उन्होंने यहाँ पहुँचकर परमात्मा का आभार व्यक्त किया और क्षेत्र की खुशहाली व उन्नति के लिए प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि शिरोमणि अकाली दल हमेशा सभी धर्मों का सम्मान करने और आपसी भाईचारे को मजबूत करने में विश्वास रखता है। इस अवसर पर आश्रम के प्रबंधकों द्वारा संजीव तलवाड़ को सरोपा भेंट कर सम्मानित किया गया। तलवाड़ ने विश्वास दिलाया कि वह क्षेत्र के विकास और जनता की सेवा के लिए हमेशा तत्पर रहेंगे। इस मौके पर उनके साथ एडवोकेट शमशेर भारद्वाज, संजीव थापर (पूर्व एम सी), नरेंद्र सिंह, राजकुमार आदिया, मोहिंदर पाल, पृथ्वीराज आदिया, जोगिंदर पाल आदिया, मनीष आदिया, अंशू हंस, मोहित भट्टी, खुश भट्टी, मोंटी, अरविंदर कुमार काका आदिया एवं अन्य साथी भी उपस्थित थे।

पंजाब में बेअदबी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई होगी और सख्तः संधवां

एसएएस नगर, 13 अप्रैल। पंजाब विधानसभा के स्पीकर कुलतार सिंह संधवां ने आज यहां बताया कि पंजाब सरकार राज्य में बेअदबी की घटनाओं को रोकने और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए कानूनी ढांचे और न्यायिक प्रक्रिया को और मजबूत करने हेतु एक नया विधेयक लाने जा रही है। विशेष सत्र की शुरुआत से पहले ऐतिहासिक गुरुद्वारा श्री अंब साहिब, मोहाली में माथा टेकने के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए स्पीकर ने बैसाखी के पावन अवसर पर लोगों को शुभकामनाएं भी दीं। उन्होंने कहा कि दसवें गुरु श्री गुरु गोबिंद सिंह जी द्वारा खालसा पंथ की स्थापना और पंच प्यारों की रचना ने सिखों को एक विशिष्ट पहचान दी, जो 'सरबत दा भला' के सिद्धांत पर आधारित है।

पंजाब विधानसभा द्वारा विभिन्न हस्तियों को श्रद्धांजलि अर्पित

चंडीगढ़। विधानसभा ने आज अपने विशेष सत्र के दौरान एक शोक प्रस्ताव पारित कर हाल ही में दिवंगत हुई प्रतिष्ठित हस्तियों और नागरिकों को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। सदन ने पूर्व मंत्री स. लाल सिंह के निधन पर गहरा दुख व्यक्त करते हुए उनके द्वारा की गई जनसेवा तथा पंजाब के विकास में दिए गए योगदान को याद किया। उनके लंबे राजनीतिक जीवन और जनकल्याण के प्रति समर्पण की सराहना की गई।

सदन द्वारा उत्तर प्रदेश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थल मथुरा-वृंदावन तथा हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के ढलियारा क्षेत्र में माता चिंतपूर्णी और माता ज्वालामुखी के दर्शन के लिए जा रहे पंजाब के श्रद्धालुओं के साथ हुए दुखद हादसों में जान गंवाने वालों के प्रति भी संवेदना व्यक्त की गई। विधानसभा ने शोक संतप्त परिवारों के साथ गहरी सहानुभूति जताई और दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए प्रार्थना की। साथ ही, सदन के सदस्यों ने ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए धार्मिक स्थलों पर मजबूत सुरक्षा व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया।

भगवंत मान सरकार बेअदबी के खिलाफ लाई सबसे सख्त कानून, इंसाफ सुनिश्चित करने के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये का जुर्माना : चीमा

पंचकूला ऑब्जर्वर

चंडीगढ़, 13 अप्रैल। आज विधानसभा में मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान द्वारा पेश किए गए 'जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल' के समर्थन में बोलते हुए, वित्त मंत्री एडवोकेट हरपाल सिंह चीमा ने 'बेअदबी' के लिए सख्त सजा सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक संशोधन लाने पर मुख्यमंत्री का तहे दिल से धन्यवाद किया। इस संशोधन को भगवंत मान सरकार का एक ईमानदार प्रयास बताते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने लोगों को गुमराह करने के लिए विपक्ष की कड़ी आलोचना की। उन्होंने कहा कि संशोधित बिल में ऐतिहासिक सजा के प्रावधान किए गए हैं, जिसमें 'बेअदबी' के दोषियों के लिए उम्रकैद और 25 लाख रुपये तक के जुर्माने का प्रावधान है, तथा इस अपराध को पूरी तरह गैर-जमानती श्रेणी में रखा गया है। अपने संबोधन के दौरान

वित्त मंत्री चीमा ने शिरोमणि अकाली दल, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए राज्य में 'बेअदबी' की घटनाओं के काले इतिहास को नकोदर कांड से जोड़ा। उन्होंने कहा कि 'बेअदबी' की दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं का सिलसिला हमेशा उसी समय शुरू हुआ जब पंजाब में अकाली-भाजपा सरकार सत्ता में थी।

कांग्रेस दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल रही

कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, कांग्रेस दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करने में पूरी तरह विफल रही। उन्होंने केवल विशेष जांच टीमें बनाईं, लेकिन कभी भी अदालत में चालान पेश नहीं किए। मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व में हम लोगों को न्याय दिलाने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं। हमने आखिरकार जवाबदेही तय करने के लिए चालान पेश किए हैं। अपने विधानसभा संबोधन के बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने सरकार के रुख को स्पष्ट किया और कहा कि इन मुद्दों पर शिरोमणि अकाली दल का इतिहास दागदार रहा है। उन्होंने उम्मीद जताई कि पंजाब के राज्यपाल जनता की भावनाओं का सम्मान करते हुए बिना किसी देरी के जगत जोत श्री गुरु ग्रंथ साहिब सत्कार (संशोधन) बिल, 2026 को मंजूरी देंगे। उन्होंने भाजपा को चुनौती देते हुए यह भी सवाल किया कि केंद्र सरकार ने राष्ट्रीय स्तर पर 'बेअदबी' के खिलाफ ऐसा सख्त कानून क्यों नहीं बनाया।

मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने कहा, '4 फरवरी 1986 को नकोदर में, श्री गुरु अर्जन देव गुरुद्वारा साहिब में गुरु ग्रंथ साहिब के पांच स्वरूपों को आग के हवाले किए जाने की घटना के खिलाफ शांतिपूर्ण विरोध कर रहे सिख युवाओं पर पुलिस ने गोली चला दी थी। इस पुलिस फायरिंग में भाई रविंदर सिंह (लित्तरां), भाई हरमिंदर सिंह (चुल्लेपुर), भाई बलधीर सिंह (रामगढ़) और भाई झिलमन सिंह (गोरसियां) समेत चार युवक शहीद हो गए थे। घटना के बाद जस्टिस गुरनाम सिंह आयोग बनाया गया। हालांकि रिपोर्ट का पहला हिस्सा सौंप दिया गया, लेकिन दूसरा हिस्सा रहस्यमय तरीके से गायब हो गया।'

पिछली सरकारों द्वारा कार्रवाई की कमी को उजागर करते हुए उन्होंने आगे कहा, 1997 से 2002 और 2007 से 2017 तक लगातार अकाली-भाजपा सरकारों तथा 2002 से 2007 तक कांग्रेस सरकार ने लापता रिपोर्ट खोजने या न्याय दिलाने के लिए कोई प्रयास नहीं किया। हैरानी की बात है कि नकोदर कांड में दोषी पाए गए अधिकारियों को बाद में सरकार और राजनीतिक दलों में महत्वपूर्ण पदों से नवाजा गया।

2015 की घटनाओं का जिक्र करते हुए कैबिनेट मंत्री ने बताया कि अकाली-भाजपा सरकार ने सबूतों को नष्ट करने की सक्रिय कोशिश की, जिसमें बहिबल कलां गोलीकांड के बुलेट सबूतों से छेड़छाड़ भी शामिल है। शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल पर सवाल उठाते हुए उन्होंने कहा, एक उच्च शिक्षित नेता, जो सांसद, केंद्रीय मंत्री और उपमुख्यमंत्री रह चुका है, वह श्री अकाल तख्त साहिब के सामने अपनी गलतियां स्वीकार करने के बाद इस तरह के कबूलनामे के लिए 'दबाव' पाये जाने का दावा कैसे कर सकता है?

सीड सर्टिफिकेशन अधिकारी 50 हजार की रिश्वत लेता काबू

चंडीगढ़, 13 अप्रैल। पंजाब विजिलेंस ब्यूरो ने राज्य में भ्रष्टाचार के खिलाफ चल रही मुहिम के दौरान, पंजाब स्टेट सीड सर्टिफिकेशन अथॉरिटी, लुधियाना में तैनात सीड सर्टिफिकेशन अधिकारी अमृतपाल सिंह को 50,000 रुपये रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों काबू किया है। इस संबंध में जानकारी देते हुए आज यहां राज्य विजिलेंस ब्यूरो के एक सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि उक्त आरोपी को जिला मानसा के वार्ड नंबर 10 के एक निवासी द्वारा दर्ज कराई गई शिकायत के आधार पर गिरफ्तार किया गया है। प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता एक बीज उत्पादक है, जो मानसा में मैसर्स पंजाब एग्री सीड फार्म चलाता है।

उसकी फर्म पंजाब या राज्य के बाहर की कृषि विश्वविद्यालयों से ब्रीडर बीज (प्रथम श्रेणी के बीज) प्राप्त करती है और खरीदी गई फसलों से बीज तैयार करती है। शिकायतकर्ता ने बताया कि उसकी फर्म ने विभिन्न विश्वविद्यालयों और फाउंडेशन सीड स्त्रोतों के माध्यम से लगभग 510 हेक्टेयर (1275 एकड़) भूमि में गेहूं के बीज बोए थे। इस फसल की जांच की जिम्मेदारी आरोपी अमृतपाल सिंह, सीड सर्टिफिकेशन अधिकारी की थी। इस संबंध में आरोपी लगभग 10 दिन पहले बोई गई फसल के निरीक्षण के लिए फार्म पर आया था और फसल वाले खेत दिखाने के लिए कहा था। शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया कि आरोपी ने निरीक्षण रिपोर्ट को फसल के पक्ष में बनाने के बदले 200 रुपये प्रति हेक्टेयर (510 गुना 200 = 1,02,000 रुपये) रिश्वत की मांग की। शिकायतकर्ता ने रिश्वत मांगने के दौरान हुई बातचीत को रिकॉर्ड कर लिया था।

गैंगस्टरों ते वार के 83वें दिन 475 स्थानों पर छापेमारी; 223 गिरफ्तार

चंडीगढ़, 13 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के निर्देशों के तहत शुरू की गई निर्णायक 'गैंगस्टरों ते वार' मुहिम के 83वें दिन पंजाब पुलिस ने आज पूरे राज्य में गैंगस्टरों के सहयोगियों के पहचाने और मैप किए गए 475 ठिकानों पर छापेमारी की।

उल्लेखनीय है कि ÷गैंगस्टरों ते वार÷ पंजाब को गैंगस्टर मुक्त राज्य बनाने के लिए एक निर्णायक अभियान है, जिसे 20 जनवरी 2026 को पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने शुरू किया था। एंटी-गैंगस्टर टास्क फोर्स (एजीटीएफ) पंजाब के समन्वय से सभी जिलों की पुलिस टीमें राज्यभर में विशेष अभियान चला रही हैं। 83वें दिन पुलिस टीमों ने दो लोग एंटी-गैंगस्टर हेल्पलाइन 93946-93946 के माध्यम से गुप्त रूप से वांछित अपराधियों और गैंगस्टरों के बारे में जानकारी दे सकते हैं तथा अपराध और आपराधिक गतिविधियों से संबंधित सूचना साझा कर सकते हैं। इस दौरान पुलिस टीमों ने नशों के खिलाफ अपनी मुहिम युद्ध नशों विरुद्ध के 408वें दिन भी अभियान जारी रखते हुए आज 97 नशा तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8.3 किलोग्राम हेरोइन, 5528 नशीली गोलियां/कैप्सूल और 9300 रुपये की ड्रग मनी बरामद की है। इसके साथ ही मात्र 408 दिनों में गिरफ्तार किए गए कुल नशा तस्करों की संख्या 58,630 हो गई है।

■ 'युद्ध नशों विरुद्ध' के 408वें दिन 8.3 किलो हेरोइन सहित 97 नशा तस्कर काबू

हथियार बरामद करने के बाद 223 व्यक्तियों को गिरफ्तार किया, जिससे इस अभियान की शुरुआत से अब तक कुल गिरफ्तारियों की संख्या 20,843 हो गई है। इसके अलावा 78 व्यक्तियों के खिलाफ एहतियाती कार्रवाई की गई है, जबकि 81 व्यक्तियों को जांच और पूछताछ के बाद रिहा कर दिया गया। कार्रवाई के दौरान पुलिस टीमों ने 5 भगोड़े अपराधियों को भी गिरफ्तार किया है।

अमृतसर के भिंडी सैदां पुलिस थाने पर ग्रेनेड हमले के पीछे पाक-आईएसआई का हाथ; दो पिस्तौल सहित छह काबू

■ आरोपियों ने घरिंडा के पास से हैंड ग्रेनेड प्राप्त कर थाने की रेकी करने के बाद हमले को दिया अंजामः डीआईजी संदीप गोयल

पंचकूला ऑब्जर्वर

अमृतसर, 13 अप्रैल। मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों के अनुसार पंजाब को सुरक्षित राज्य बनाने के लिए जारी मुहिम के दौरान बड़ी सफलता हासिल करते हुए अमृतसर देहाती पुलिस ने जिला पुलिस फरीदकोट और काउंटर इंटेलिजेंस फिरोजपुर के साथ संयुक्त ऑपरेशन में दो पिस्तौल सहित छह आरोपियों को गिरफ्तार कर थाना भिंडी सैदां में हुए ग्रेनेड हमले के मामले को सफलतापूर्वक सुलझा लिया है। यह जानकारी आज यहां पंजाब के डीजीपी गौरव यादव ने दी। गिरफ्तार किए गए व्यक्तियों की पहचान अमृतसर के गांव चक्क डोगरा निवासी बलजीत सिंह; छोटा फतेहवाल निवासी प्रभ सिंह; बाबा गम चक्क बल्लरवाल निवासी राजबीर सिंह; ठट्ठा राजपूतां निवासी सुखप्रीत सिंह; लोपोके निवासी अजयदीप सिंह उर्फ अजे उर्फ गजनी; और सारंगदेव निवासी साहिब सिंह उर्फ साबा के रूप में हुई है। डीजीपी गौरव यादव ने बताया कि प्रारंभिक जांच में पता चला है कि इस मॉड्यूल को पाकिस्तान की आईएसआई का समर्थन प्राप्त था। उन्होंने कहा कि आरोपी पाकिस्तान स्थित हैंडलर के संपर्क में थे, जो विदेश से इस मॉड्यूल को संचालित कर रहा था। उक्त

हैंडलर अपने कारिंदों को पंजाब में आतंकी गतिविधियों को अंजाम देने का काम सौंपता था। डीजीपी ने बताया कि पुलिस संस्थानों को निशाना बनाने के उद्देश्य से इस मॉड्यूल को पूरी तरह कट्टरपंथी बनाया गया था और घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों को अच्छे पैसों का लालच देकर प्रेरित किया जाता था। डिप्टी इंस्पेक्टर जनरल (डीआईजी) संदीप गोयल ने बताया कि जांच के दौरान यह सामने आया कि आरोपी बलजीत सिंह और प्रभ सिंह ने घरिंडा के पास से दो हैंड ग्रेनेड हासिल किए थे। जांच में यह भी सामने आया कि घटना को अंजाम देने के लिए आरोपियों को बड़ी रकम देने का वादा किया गया था, लेकिन हमले के बाद पाकिस्तानी हैंडलर द्वारा उन्हें बहुत कम पैसे दिए गए।

कार्रवाई संबंधी विवरण साझा करते हुए एसएसपी फरीदकोट डॉ.प्रज्ञा जैन ने बताया कि अमृतसर देहाती पुलिस के साथ एक खुफिया अभियान में पुलिस टीमों ने थाना भिंडी सैदां ग्रेनेड हमले के मामले में शामिल दो आरोपियों को फरीदकोट से गिरफ्तार कर लिया था। इसके बाद आगे की जांच के दौरान चार अन्य आरोपियों को अमृतसर से गिरफ्तार किया गया। अधिक जानकारी देते हुए एसएसपी अमृतसर देहाती सुहेल कासिम मीर ने बताया कि घटना वाले दिन तीन आरोपी–बलजीत सिंह, प्रभ सिंह और राजबीर सिंह–एक मोटरसाइकिल पर थाना भिंडी सैदां की ओर गए। उन्होंने अपनी मोटरसाइकिल थाने से लगभग 1-2 किलोमीटर दूर पास के खेतों में खड़ी की और खेतों के रास्ते पैदल चलते हुए थाने के पीछे पहुंचे। उन्होंने आगे बताया कि आरोपी बलजीत सिंह और प्रभ सिंह ने पुलिस थाने पर ग्रेनेड फेंके, जबकि आरोपी राजबीर सिंह ने पूरी घटना की रिकॉर्डिंग की। हमले के बाद आरोपी लगभग तीन से चार घंटे तक खेतों में खड़ी गेहूं की फसल में छिपे रहे।

एसएसपी ने आगे बताया कि इसके बाद आरोपियों ने सबूत नष्ट करने के लिए थाने से लगभग एक किलोमीटर दूर एक नाले में अपने कपड़े फेंक दिए और सुबह करीब 5 बजे अपनी मोटरसाइकिल लेकर मौके से फरार हो गए। इस संबंध में विस्फोटक पदार्थ अधिनियम की धाराएं 3, 4 और 5; गैर-कानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम की धाराएं 13, 16, 18 और 19; भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराएं 109, 61(1), 61(2), 3(5) और 324(4); तथा आर्म्स एक्ट की धारा 25 के तहत थाना भिंडी सैदां में एफआईआर नंबर 56 दिनांक 30.03.2026 दर्ज की गई है।

प्रदेश की मंडियों और खरीद केंद्रों में सुचारु चल रहा है खरीद कार्य : मुख्यमंत्री नायब

मुख्यमंत्री ने पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का किया निरीक्षण

पंचकूला ऑब्जर्वर

पिपली, 13 अप्रैल। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश में गेहूं खरीद का कार्य सभी मंडियों और खरीद केंद्रों में सफलतापूर्वक बिना किसी रुकावट के निरंतर चल रहा है। इस दौरान किसानों को किसी भी प्रकार की कोई दिक्कत नहीं आ रही है। किसानों की फसल के एक-एक दाने की खरीद की जाएगी। इस वर्ष रबी खरीद 2026-27 के दौरान 12 अप्रैल तक लगभग 39.65 लाख मीट्रिक टन गेहूं की आवक हो चुकी है और लगभग 2.44 लाख किसानों का 30.90 लाख मीट्रिक टन गेहूं हेतु बायोमेट्रिक सत्यापन हो चुका है, 10.92 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा चुकी है और लगभग 188 करोड़ की राशि किसानों के बैंक खाते में सीधे तौर पर

स्थानांतरित हो चुकी है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी सोमवार को पिपली अनाज मंडी में गेहूं खरीद प्रक्रिया का निरीक्षण कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने अनाज मंडी के गेट पर गेट पास बनाने की प्रक्रिया को जाना, इसके बाद खरीद व्यवस्था को देखा और किसानों से बातचीत कर अनाज मंडी में गेहूं बेचने के दौरान आने वाली समस्याओं व दिक्कतों को जाना। गेहूं की खरीद 1 अप्रैल से आरम्भ हो चुकी है। भारत सरकार द्वारा गेहूं का न्यूनतम समर्थन मूल्य 2585 रुपये प्रति क्विंटल निर्धारित किया गया है। राज्य में गेहूं की खरीद के लिए 416 मंडियां एवं खरीद केंद्र के अलावा 264 अतिरिक्त खरीद स्थल भी खोले गए हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार ने प्रदेश में खरीद प्रणाली को और अधिक पारदर्शी, सुरक्षित तथा किसान हितैषी बनाने के लिए कई नई पहले लागू की हैं। इन उपायों से फसल खरीद प्रक्रिया में पारदर्शिता बढ़ेगी, अनधिकृत गतिविधियों पर रोक लगेगी तथा किसानों को सुविधाजनक और तेज सेवाएं मिलेंगी।

उन्होंने कहा कि सरकार ने तीन-स्तरीय फसल सत्यापन प्रणाली को अनिवार्य कर दिया है।

इस व्यवस्था के तहत खरीद केंद्रों पर लाई गई फसल का किसान द्वारा पंजीकृत फसल से मिलान सुनिश्चित किया जा रहा है। इससे फसल सत्यापन प्रक्रिया अधिक सटीक और विश्वसनीय बन रही है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि बेमौसमी बारिश के कारण प्रदेश के 4 जिलों फतेहाबाद, हिसार, सिरसा व कुरुक्षेत्र के कुछ गांवों में फसलों को नुकसान होने की रिपोर्ट प्राप्त हुई थी। उन्होंने स्वयं संबंधित जिलों के उपायुक्तों से बात कर स्थिति का पता लगाया और फसलों को हुए नुकसान एवं भरपाई के लिए कुरुक्षेत्र, हिसार, सिरसा व फतेहाबाद के लिए पोर्टल खोला हुआ है। इनमें कुरुक्षेत्र के 6 गांव, फतेहाबाद जिले के 9 गांव, हिसार के 10 गांव तथा सिरसा के 2 गांव शामिल हैं। उन्होंने किसानों से अपील करते हुए कहा कि किसान अपनी फसल के नुकसान एवं भरपाई के लिए 15 अप्रैल तक क्षतिपूर्ति पोर्टल पर आवेदन करें।

इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन सतीश मथाना, मंडी प्रधान गुरुदत्त शर्मा, मार्केट कमेटी सचिव गुरमीत सैनी सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहे।

कार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, साले की मौत जीजा और सवारी घायल

यमुनानगर। सोमवार को कार और ई-रिक्शा की टक्कर हो गई। हादसे में रिक्शा ड्राइवर की मौत हो गई, जबकि उसमें सवार उसका जीजा और एक अन्य सवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे के वक्त मौके पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। सभी को तुरंत सिविल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां डॉक्टरों ने ई-रिक्शा ड्राइवर को मृत घोषित कर दिया, जबकि उसके जीजा और अन्य सवारी को भर्ती कर लिया गया।

हादसे के बाद आरोपी कार ड्राइवर मौके से फरार हो गया। सूचना मिलते ही रादौर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चुयरी में रखवा दिया। मृतक की पहचान रवि (35) निवासी गांधी नगर के रूप में हुई है। उसकी पत्नी 8 माह की गर्भवती है। अगले ही माह रवि पिता बनने वाला था। हादसे में घायल रवि के जीजा (चंडीगढ़ निवासी) राज ने बताया कि वह रविवार को रादौर में एक रिश्तेदारी में शादी में आया था। शादी के बाद वह उसी शाम अपने ससुराल गांधी नगर आ गया था। आज दोपहर उसे चंडीगढ़ वापस जाना था। इसी दौरान उसके साले रवि ने उसे किसी काम से दोबारा रादौर चलने के लिए कहा।

ड्राइविंग सीख रही महिला की कार पेड़ से टकराई बेटी की मौत, सदमें में मां की भी गई जान

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल, 13 अप्रैल। हरियाणा के करनाल में नई गाड़ी में ड्राइविंग सीख रही एक महिला की कार पेड़ से टकरा गई। आगे पिता की गोद में बैठी उनकी 5 साल की बेटी उछलकर शीशे से जा टकराई, जिससे उसकी मौत हो गई। बेटी की मौत का सदमा मां बर्दाश्त नहीं कर पाई और दो घंटे बाद उन्होंने भी दम तोड़ दिया। घटना की सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों शव कब्जे में लेकर कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज में भिजवा दिए। सोमवार को दोनों का पोस्टमॉर्टम कराया गया।

महिला की एक 7 महीने की बेटी भी है। अब घर में सिर्फ पिता और 7 महीने की बच्ची रह गए हैं। यूकेजी क्लास में थी अयांशी बृजेश करनाल के केंद्रीय मृदा लवणता अनुसंधान संस्थान (सीएसआरआई) में जॉब करते हैं। उनकी पत्नी आरती (35) पंचकूला स्थित हरियाणा सचिवालय में जॉब करतीं थी। इनकी दो बेटियां थीं। पांच साल की अयांशी यूकेजी क्लास में पढ़ती थी। जबकि दूसरी बच्ची 7 महीने की है। नई कार खरीदी थी, पत्नी सीख रही थी बृजेश के दोस्त विकास ने बताया कि बृजेश ने 5 महीने पहले नई कार (वेन्यू) खरीदी थी। उनकी पत्नी कार ड्राइविंग सीखना चाहती थी। 12 अप्रैल की शाम करीब 6 बजे आरती ष्टस्क्रढ्ढ परिसर में अपने पति से कार चलाना सीख रहीं थी।

उस समय बृजेश ड्राइविंग के साइड वाली सीट पर थे और अयांशी उनकी गोद में बैठी थी। ब्रेक की जगह एक्सीलेटर दबाया विकास के मुताबिक, कार सीखते वक्त आरती ने कंट्रोल खो दिया। अचानक उनका पैरा ब्रेक की जगह एक्सीलेटर पर चला गया। कार पेड़ से जा टकराई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि अयांशी का सिर शीशे से टकरा गया और वह गंभीर रूप से घायल हो गई। तभी उसको अस्पताल की तरफ लेकर दौड़े लेकर रास्ते में उसने दम तोड़ दिया।आरती की मौत विकास ने बताया कि अयांशी की मौत की खबर सुनकर आरती को गहरा सदमा लगा। उसकी हालत बिगडऩे लगी। ब्रिजेश उसके तुरंत अमृतधारा अस्पताल ले गया। करीब पौने 8 बजे अस्पताल में आरती ने भी दम तोड़ दिया। जांच अधिकारी बोले-पोस्टमॉर्टम कराया रामनगर थाने से जांच अधिकारी प्रदीप कुमार ने बताया कि हादसे में मां और बेटी की मौत हुई है।

किसानों पर एक तरफ मौसम की मार है तो दूसरी तरफ सरकारी नीतियों का बोझ : सांसद वरुण चौधरी

पंचकूला ऑब्जर्वर

मुलाना, 13 अप्रैल। अंबाला से कांग्रेस सांसद वरूण चौधरी ने मुलाना व अंबाला नई छावनी अनाज मंडी का दौरा कर किसानों, मजदूरों और आढ़तियों से बातचीत कर उनकी समस्याएं सुनीं।

इस दौरान उन्होंने मंडी में अव्यवस्थाओं को लेकर प्रदेश सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि वर्तमान पोर्टल आधारित व्यवस्था और बायोमेट्रिक प्रणाली किसानों के लिए परेशानी का कारण बन गई है।सरकार द्वारा लागू की गई बायोमेट्रिक प्रणाली के चलते किसानों को अपनी फसल बेचने में अनावश्यक देरी और तकनीकी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। प्रदेश में कई कई घंटों तक पोर्टल बंद होने के कारण गेट पास न कटने पर लंबी लाइनें लगी हुई है।भाजपा सरकार हर समय पोर्टल पोर्टल पर कार्य करने के बारे में जपती रहती है लेकिन स्वयं पोर्टल का उपयोग नहीं करती है।

उन्होंने कहा कि फसल उठान न होने के कारण मंडी में गेहूं के ढेर लगे हुए हैं, लेकिन उठान की पर्याप्त व्यवस्था नहीं

होने के कारण किसानों को भारी नुकसान उठाना पड़ रहा है। सरकार के दावों के विपरीत जमीनी हकीकत यह है कि किसान अपनी फसल बेचने के लिए घंटों इंतजार करने को मजबूर हैं।इस व्यवस्था को तुरंत प्रभाव से बंद किया जाए, ताकि किसानों को राहत मिल सके।

सांसद ने कहा कि किसानों पर एक तरफ मौसम की मार है तो दूसरी तरफ सरकारी नीतियों का बोझ, जिससे हालात बेहद गंभीर हो गए हैं। किसान देश के अन्नदाता हैं और उनकी समस्याओं का समाधान सुनिश्चित करना हम सभी की जिम्मेदारी है। सरकार को चाहिए कि ऐसे कानून बनाए जिससे अन्नदाता सरलता से अपनी फसल को बेच सके लेकिन सरकार ने मेरी फसल, मेरा ब्यौरा पोर्टल के नाम पर नई-नई पेचीदगियां, बायोमेट्रिक बाधाएं, ट्रैक्टर-ट्रॉली की पंजीकरण सहित फोटो अपलोड व मंडियों में लागू किया गया नया गेट पास सिस्टम किसानों और आढ़ती भाइयों के लिए परेशानी का कारण बन गया है।यह किसानों पर थोपा गया सरकार का तुगलकी फरमान है।यह निर्णय किसानों की समस्याओं को कम करने के बजाय और बढ़ाने वाला है।

उन्होंने कहा कि 'गेट पास की समय-सीमा भी किसानों की व्यावहारिक परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है.' उन्होंने आढ़ती वर्ग की समस्याओं की ओर भी ध्यान आकर्षित करते हुए कहा कि वर्तमान महंगाई और बढ़ती लागत के बावजूद आढ़त दरों में अपेक्षित वृद्धि नहीं की गई है।

करनाल में पुलिस ने किया बदमाशों का एनकाउटर, दो घायल

घायल बदमाश दीपक नांदल गिरोह के होने की संभावना, पलिस कर्मी की छाती में लगी गोली

पंचकूला ऑब्जर्वर

करनाल, 13 अप्रैल। हरियाणा के करनाल में दरमियानी देर रात पुलिस ने दो शूटर्स बदमाशों का एनकाउंटर कर दिया। पुलिस को देखते ही बदमाशों ने फायरिंग शुरू कर दी थी। इसके जवाब में जब पुलिस ने फायर किया तो दो बदमाशों की टांग में गोली लगी, जबकि एक गोली पुलिसकर्मी की छाती में लगी। हालांकि, बुलेट प्रूफ जैकेट पहने होने के चलते उनकी जान बच गई। पुलिस ने दोनों आरोपियों को घायल हालत में काबू कर अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने दोनों के पास से दो अवैध पिस्टल और 100 से ज्यादा गोलियां और एक बाइक बरामद की है। सूत्रों की माने तो दोनों बदमाशों के संबंध दीपक नांदल गैंग से हो सकते है। पुलिस ने मधुबन थाना में मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। अब दोनों को कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। दो बदमाश अवैध हथियारों के साथ

बाइक पर सवार होकर मुनक से करनाल की ओर किसी वारदात को अंजाम देने आ रहे हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने मुनक रोड पर नाका लगा दिया। पुलिस को देखते ही भागे- कुछ देर बाद एक बाइक पर दो युवक आते दिखाई दिए, जिन्होंने मुंह पर कपड़ा बांधा हुआ था। पुलिस को देखकर उन्होंने तुरंत बाइक मोड?र वापस भागने की कोशिश की। पुलिस ने पीछा किया, तो बदमाशों ने रास्ता बदलते हुए दाहा बजीदा की ओर जाने वाली सड? पकड़ ली। पुलिस ने पीछा किया तो फायरिंग शुरू की- पुलिस की गाड़ी करीब आती देख बाइक पर पीछे बैठे बदमाश ने पुलिस पर फायरिंग कर दी। पुलिस ने आगे निकलकर उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन अंधेरे में बाइक का संतुलन बिगड़ गया और दोनों सड? किनारे गिर गए। इसके बाद भी दोनों भागने लगे और पुलिस पर दोबारा फायरिंग की। एक गोली पुलिसकर्मी मनोज की जैकेट में लगी और दूसरी अन्य पुलिसकर्मी के सिर के ऊपर से निकल गई। पुलिस ने गोली मार घायल किया, दोनों अरेस्ट- पुलिस ने कई बार चेतावनी दी, लेकिन बदमाश नहीं रुके। इसके बाद पहले हवाई फायर किया गया और फिर टांगों को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। दोनों के घायल होते ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास मौजूद बैग की तलाशी में हथियार और भारी मात्रा में गोलियां मिली।पुलिस ने गोली मार घायल किया, दोनों अरेस्ट- पुलिस ने कई बार चेतावनी दी, लेकिन बदमाश नहीं रुके। इसके बाद पहले हवाई फायर किया गया और फिर टांगों को निशाना बनाकर गोली चलाई गई। दोनों के घायल होते ही पुलिस ने उन्हें दबोच लिया। उनके पास मौजूद बैग की तलाशी में हथियार और भारी मात्रा में गोलियां मिली।

अस्पताल में भर्ती कराया गया- सब इंस्पेक्टर लछमण सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों की बाइक और हथियारों को कब्जे में ले लिया गया है। घटना के बाद करनाल पुलिस के अन्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचे। एफएसएल टीम ने भी मौके से सबूत जुटाए। इसके बाद दोनों घायलों को पुलिस गाड़ी से जिला नागरिक अस्पताल पहुंचाया गया। दोनों बदमाशों की पहचान मधुबन थाना क्षेत्र के बजीदा जाटान रोड पर पकड़े गए बदमाशों की पहचान सोनीपत जिला के गांव जाजल निवासी रौनक पुत्र सूरज और गांव गढ़ मलिकपुर निवासी इमरान पुत्र अली हसन के रूप में हुई है। रौनक की बाई टांग और इमरान की दाई टांग में गोली लगी है। दोनों को तुरंत करनाल के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। सूत्रों के मुताबिक दोनों बदमाशों के तार दीपक नांदल गैंग से जुड़े हो सकते हैं। पुलिस इस एंगल पर भी जांच कर रही है और पूछताछ के दौरान गैंग से जुड़े अन्य लोगों के बारे में जानकारी जुटाई जाएगी। रिमांड पर लेने के बाद होगी पूछताछ सब इंस्पेक्टर लछमण सिंह ने बताया कि आरोपियों के ठीक होने के बाद उन्हें कोर्ट में पेश कर रिमांड पर लिया जाएगा। पूछताछ के दौरान यह पता लगाया जाएगा कि अवैध हथियार कहां से लाए गए और किस वारदात को अंजाम देने की योजना थी। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है।

एक नजर

नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध निवारण प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता: एसडीएम

टोहाना, 13 अप्रैल। एसडीएम आकाश शर्मा ने सोमवार को आयोजित उपमंडल स्तरीय समाधान शिविर में उपस्थित नागरिकों की समस्याएं सुनीं तथा संबंधित विभागों के अधिकारियों को मामलों का शीघ्र निपटारा करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने कहा कि नागरिकों की समस्याओं का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। सोमवार को आयोजित समाधान शिविर में परिवार पहचान पत्र में त्रुटि दुरुस्त करने से संबंधित तीन आवेदन प्राप्त हुए। इन आवेदनों पर त्वरित कार्रवाई करते हुए एसडीएम आकाश शर्मा ने इन्हें संबंधित विभाग के अधिकारियों को फॉरवर्ड कर दिया और तय समय-सीमा के भीतर इनका जल्द समाधान सुनिश्चित करने के सख्त निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि किसी भी आवेदन या जनशिकायत को लंबित न रखा जाए और समस्याओं का गुणवत्तापूर्ण व त्वरित समाधान सुनिश्चित किया जाए। एसडीएम ने कहा कि प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहे और आमजन को अपनी शिकायतों के समाधान के लिए कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें।

चित्र विचित्र महाराज ने बहाई भक्ति सरस सरिता

करनाल, 13 अप्रैल। श्री श्याम परिवार की और से 19वां श्री बालाजी जी एवं श्री श्याम वंदना महोत्सव का आयोजन बड़े ही श्रद्धा और भक्ति भाव के साथ किया गया। इस अवसर पर वृंदावन से पधारे पूज्य चित्र विचित्र महाराज ने अपने मधुर भजनों से उपस्थित श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। श्री श्याम परिवार की और से गोल्डन मोमेंट में आयोजित महोत्सव में दिल्ली से आयी हुई गायिका आयुषी राज ने हारे का सहारा बाबा श्याम के भजनों से बाबा का गुणगान किया। श्याम बाबा के दरबार में कोलकाता से मंगवाए फूल एवं पटियाला से आये श्याम सेवक ने श्रृंगार किया। पंडित विनोद शास्त्री जी ने श्री श्याम परिवार के सभी सदस्यों को विधिवत पूजा करवाई। कार्यक्रम की शोभा महामंडलेश्वर स्वामी ज्ञानानंद जी महाराज की गरिमामयी उपस्थिति से और बढ़ गई। उन्होंने अपने आशीर्वचन देकर सभी श्रद्धालुओं को धर्म एवं भक्ति के मार्ग पर चलने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान काली कमली वाला मेरा यार हैज् जैसे भजनों पर श्रद्धालु भावविभोर होकर झूम उठे और पूरे पंडाल में भक्ति रस की धारा बहने लगी। हजारों की संख्या में उपस्थित भक्तों ने भजनों का आनंद लेते हुए भगवान श्री श्याम के चरणों में अपनी श्रद्धा अर्पित की।

बायोमेट्रिक सिस्टम से परेशान किसानों ने किया रोड जाम

टोहाना । हरियाणा सरकार के मुख्यमंत्री नायब सैनी के बार-बार कहने से भी सरकार के अधिकारी किसानों को अनाज मंडी में अपना अनाज बेचने आने वाली किसानों को बायोमेट्रिक सिस्टम न चलने के कारण परेशान कर रहे हैं शहर से कुछ ही दूरी पर स्थित एडिशनल अनाज मंडी के बाहर किसान नेता रमेश डांगरा ने किसानों को बार-बार अनाज बेचने को लेकर आ रही बायोमेट्रिक सिस्टम के न चलने व किसानों को अधिकारियों द्वारा परेशान करने को लेकर आ रही समस्या को सरकार के अधिकारियों द्वारा हल करने को लेकर सभी किसान साथियों ने रतिया रोड जाम कर दिया और किसानों ने कहा कि यह जाम तब खोला जाएगा।

जब एडिशनल अनाज मंडी में किसानों को अपना अनाज बेचने के लिए कभी मार्केट कमेटी के अधिकारी पोर्टल बंद व कभी बायोमेट्रिक और कभी ट्रैक्टर के रजिस्ट्रेशन करवाने के नाम पर सरकार किसानों को परेशान ना करें थोड़े से ही समय में ही सड़क पर दोनों तरफ व्हीकलो की लंबी-लंबी कतारें लग चुकी थी। मार्केट कमेटी अधिकारियों का कहना था की साइट बंद थी सर्वर नहीं चल रहा था।

गुस्साए किसानों ने मार्केट कमेटी गेट को जड़ा ताला

पंचकूला ऑब्जर्वर

निसिंग, 13 अप्रैल। पोर्टल बंद होने से किसान हुए परेशान।गेंहू सीजन पीक पर है। विपरीत मौसम और आगजनी से डरे किसानों को फसल निपटान की जल्दी है। रविवार को एजेंसियो की खरीद बंद रहने से सोमवार को रूटीन से अधिक संख्या में किसान फसल लेकर पहुंचे।लेकिन करीब 11 बजे पोर्टल का सर्वर डाउन हो गया। इससे किसानों के ऑनलाइन गेटपास बंद होने से सड़क पर ट्रैक्टरों की लंबी कतारें लग गई।

मंडी के दोनो गेटों पर एक एक किलोमीटर की लंबी कतार लग गई। ट्रैक्टरों पर धूप में बैठे किसान परेशान हो गए। चार घंटे बीतने के बाद किसानों का गुस्सा फूट गया।

उन्होंने अखिल भारतीय किसान सभा के जिला प्रधान गुलजार सिंह के नेतृत्व में मार्केट कमेटी कार्यालय भवन के मुख्य गेट को अंगोछा बांधकर बंद कर दिया। वहीं नारेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने कहा कि किसान सड़को पर गर्मी में लाइन का दंश झेल रहा हैं। जिनके खेत में कंबाइन से कटाई चल रही है। उनके ट्रैक्टर लाइन में फसे है। बिना ट्राली के कंबाइन कटाई कर फसल को जमीन पर डाल रही है। जिसे बाद में ट्राली में लोड करना पड़ेगा। वहीं किराए पर फसल मंडी में डालने वाले भी परेशान है। इतना ही नहीं मंडी में बायोमिट्रिक नही चलने से खरीद नही हो रही। मंडी से लोडीड ट्रकों को गेटपास नहीं मिलने से निकासी नहीं हो पाई। सीजन में मंडी का कामकाज दिनभर पोर्टल बंद रहने से बाधित रहा।

मंडी पहुंचायक सड़के जाम रही। जुंडला मंडी में एसडीएम करनाल पहुंचे। उन्होंने सड़को पर ट्रैक्टरों की कतार देखकर मैनुअल गेटपास काटने के आदेश दिए।

मैनुअल गेटपास के बाद शांत हुआ किसान

मार्केट कमेटी सचिव कृष्ण कुमार ने उच्च अधिकारियों से बातचीत की। समस्या को संज्ञान में दिया। उन्होंने हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड और डीएफएससी करनाल को कमेटी कार्यालय को बंद कर नारेबाजी की सूचना दी।

जिन्होंने स्तिथि को काबू करने हेतु मैनुअल गेटपास काटने की परमिशन दी। उसके बाद मंडी में मैनुअल गेटपास काटकर ट्रैक्टरों को प्रवेश दिया गया। तब जाकर किसान शांत हुए।

गांव बड़नपुर में अस्पताल निर्माण कार्य शुरू, मंत्री कृष्ण बेदी को ज्ञापन देने के बाद हरकत में आया प्रशासन

पंचकूला ऑब्जर्वर

नरवाना, 13 अप्रैल। क्षेत्र के गांव बड़नपुर में लंबे समय से लंबित पड़े अस्पताल निर्माण कार्य को आखिरकार गति मिल गई है। कृष्ण कुमार बेदी को ज्ञापन सौंपने के बाद प्रशासन हरकत में आया और अब केंद्र व राज्य सरकार द्वारा जारी लाखों की ग्रांट का उपयोग शुरू हो गया है। बड़नपुर के पूर्व सरपंच डॉ. जोगिंद्र बड़नपुर ने प्रेस को जानकारी देते हुए बताया कि गांव में अस्पताल निर्माण के लिए करीब 89 लाख रुपये की राशि पिछले तीन वर्षों से लंबित पड़ी थी, लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों, कर्मचारियों और ठेकेदारों की लापरवाही के चलते कार्य शुरू नहीं हो पा रहा था। उन्होंने बताया कि इस समस्या को लेकर

संगठन के कार्यकर्ताओं व ग्रामीणों ने उनके नेतृत्व में मंत्री कृष्ण बेदी को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में ज्ञापन सौंपा था। मंत्री ने मामले की गंभीरता को समझते हुए जल्द निर्माण कार्य शुरू करवाने का आश्वासन दिया था, जिसके बाद अब अस्पताल का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

डॉ. प्रवीण ने बताया कि गांव में विकास कार्यों के लिए केंद्र व राज्य सरकार द्वारा करोड़ों रुपये की ग्रांट जारी की जा चुकी है। इनमें बिजली घर, बरवाला ब्रांच नहर पुल, सौर ऊर्जा पैनल, सामुदायिक केंद्र, शिव तालाब सौंदर्यकरण, अमृत सरोवर योजना, जलघर नहरी पानी योजना, पानी निकासी के लिए मनरेगा तालाब, नरवाना-बड़नपुर लिंक रोड और स्वर्ग आश्रम जैसे महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट शामिल हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि इन कार्यों को शुरू करवाने के लिए ग्रामीणों को कई बार समाधान शिविरों, प्रशासनिक अधिकारियों और मंत्रियों के चक्कर लगाने पड़े, तब जाकर अब कुछ योजनाएं धरातल पर उतरनी शुरू हुई हैं। आगामी समय में मंत्री कृष्ण बेदी से पुनः मुलाकात कर अन्य लंबित ग्रांट को भी जल्द लागू करवाने की मांग की जाएगी। ग्रामीणों ने अस्पताल निर्माण कार्य शुरू होने पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा कि इससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मिल सकेंगी और उन्हें दूर-दराज के अस्पतालों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

संस्था के चेयरमैन पद के लिए विनोद धीमान पर सर्वसम्मति से जताया भरोसा

पंचकूला ऑब्जर्वर

घरौंडा, 13 अप्रैल। समाज कल्याण दल की बैठक संस्था के अध्यक्ष श्याम सुन्दर धीमान की अध्यक्षता में आयोजित हुई। बैठक में संस्था के चेयरमैन पद को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सभी सदस्यों ने विचार-विमर्श के बाद सर्वसम्मति से विनोद धीमान गगसीना को चेयरमैन पद के लिए सबसे उपयुक्त और विश्वसनीय उम्मीदवार माना।

बैठक में मौजूद सभी सदस्यों ने एक राय होकर विनोद धीमान पर भरोसा जताया। निर्णय लिया गया कि भविष्य में संस्था के चेयरमैन पद का कार्यभार उन्हें ही सौंपा जाएगा। सदस्यों ने उनके अनुभव और कार्यशैली को देखते हुए यह फैसला लिया। विनोद धीमान गगसीना इससे पहले भी संस्था के चेयरमैन रह चुके हैं। इसके अलावा वे महासचिव और वरिष्ठ उपप्रधान जैसे महत्वपूर्ण पदों पर भी अपनी सेवाएं दे चुके हैं। उनके कार्यकाल के दौरान संस्था ने समाज हित के कई कार्यों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। सदस्यों ने कहा कि विनोद धीमान अपनी सूझ-बूझ, मेहनत और ईमानदारी के लिए जाने जाते हैं। उनकी कार्यशैली ने संस्था को मजबूती दी है और समाज में सकारात्मक प्रभाव छोड़ा है।

नियुक्ति पर भंडारे की तैयारी: बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि विनोद धीमान के चेयरमैन नियुक्त होने पर घरौंडा में भंडारे का आयोजन किया जाएगा। करीब दस वर्षों बाद उनकी वापसी को लेकर सदस्यों में उत्साह का माहौल है। इस मौके पर संस्था के वरिष्ठ उपप्रधान आनन्द वालिया, पृथ्वीराज प्रधान, कानूनी सलाहकार साजिल चौहान और मनोज कुमार सहित कई अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

मजबूरी में लेखक-डायरेक्टर बना इमरान सर के गानों पर स्कूल में नाचा हूं

'गुडाचारी', 'मेजर' और 'हिट द सेकंड केस' जैसी कामयाब फिल्मों के लिए मशहूर साउथ सिनेमा के युवा स्टार अदिवि शेष अब एक और ऐक्शन-रोमांस से भरपूर फिल्म 'डकैत' लेकर आ रहे हैं। इसी सिलसिले में उनसे खास बातचीत:

'कर्मा' और 'किस' जैसी शुरुआती फिल्मों में आप ऐक्टर के साथ राइटर-डायरेक्टर भी रहे। अभी डायरेक्शन से दूरी बना रखी है। क्या वापस यह डबल रोल निभाने का इरादा है?

'कर्मा' बनाने के बाद ही मुझे अहसास हुआ कि मैं अच्छा डायरेक्टर नहीं हूं। असल में, लेखन और निर्देशन मेरी मजबूरी थी क्योंकि बतौर ऐक्टर ऐसे रोल नहीं मिल रहे थे, जैसा मैं करना चाहता था। जिस तरह की स्क्रिप्ट्स मुझे पसंद थी, वे मिल नहीं रही थी। मुझे यह भी नहीं पता था कि इंडस्ट्री के अंदर कैसे आना है? वह विश्वसनीयता और सम्मान कैसे कमाऊं? तो मैंने खुद फिल्में लिखीं और बनाई। वो मेरी जरूरत थी। फिर, बाद में जब वो जगह बन गई तो मैं वो (ऐक्टिंग) कर रहा हूं, जो हमेशा से करना चाहता था। राइटिंग भी मेरी ऐक्टिंग को ही मजबूत करने का जरिया है।

'डकैत' में आप अपने फैंस के पसंदीदा ऐक्शन अवतार में हैं। इन दिनों ऐक्शन का दौर चल भी खूब रहा है। हालांकि, उसमें हिंसा और वीभत्स सीन पर भी काफी जोर दिख रहा है। आप इसकी क्या वजह मानते हैं?

'डकैत' ऐक्शन फिल्म नहीं है। यह लव स्टोरी में ऐक्शन है। इसमें दो पूर्व प्रेमी हैं, जो कभी एक दूसरे से प्यार करते थे। अब ऐसे माहौल में मिले हैं जहां डकैती हो रही है। गोलियां चल रही हैं। इन सबके बीच उनके पुराने प्यार का क्या होता है, ये कहानी है। रही हिंसा की बात तो अभी जमाना ही ऐसा है। दुनिया में जिस बेरहमी से मिसाइलें दागी जा रही है, वो हम सब देख रहे हैं। मुझे लगता है कि फिल्मों से ज्यादा हिंसा अभी असल दुनिया में है। रही बात ट्रेंड की, तो मुझे लगता है कि कोई भी ट्रेंड तब तक रहता है, जब तक दूसरा उसे तोड़ नहीं देता है। मैंने यश चोपड़ा जी का एक इंटरव्यू पढ़ा था जिसमें वे कह रहे थे कि एक दिन मरीन ड्राइव पर उन्होंने देखा कि हर होर्डिंग पर 4-4 हीरो बंदूकों के साथ दिख रहे थे। ऐसे वक्त में उन्होंने 'चांदनी' बनाने की सोची, जो क्लासिक बनी। जब रोमांस अपने चरम पर था, उस दौर में 'गदर' जैसी ऐक्शन और 'लगान' जैसी देसी फिल्म सुपरहिट हुई थी।

'डकैत' में आपके खिलाफ अनुराग कश्यप विलन की भूमिका में हैं। उनके साथ काम करने का अनुभव कैसा रहा?

हम बहुत लकी हैं क्योंकि वह बहुत विनम्र और निष्ठावान इंसान हैं। वह इतने मशहूर राइटर-डायरेक्टर हैं, पर जितने सामान्य तरीके से काम कर रहे थे, जैसे हमसे बात कर रहे थे, मानो खुद एक स्टूडेंट हों तो बहुत अच्छा अनुभव रहा। हमने 'डकैत' को अलग अलग भाषाओं में शूट किया है। इसके हिंदी वर्जन के डायलॉग में उन्होंने काफी गाइडेंस दिया तो इंडिया के बेस्ट डायलॉग लेखक हमें फ्री में मिल गए। उनके स्किल्स से हमें बहुत मदद मिली। 145 दिनों के शूट में उन्होंने एक बार पूछा कि क्या मैं एक शॉट में आपको डायरेक्ट कर सकता हूं, वो भी बहुत ही प्यार से और उस छोटे से सीन को उन्होंने जैसे शूट किया, वो एक किस्म का मास्टर क्लास था। मैंने स्कूल में था, जब उनकी फिल्म ब्लैक फ्राइडे देखी थी, तबसे उनका फैन हूं।

आप 'डकैत' के साथ 'गुडाचारी' का सीक्वल 'जी 2' भी शूट कर रहे हैं। दोनों के बीच में तालमेल बिठाने में कोई चुनौती आई?

'जी 2' हमने थोड़ा ही शूट किया है। अभी ज्यादा ध्यान 'डकैत' पर है क्योंकि यह पहले रिलीज है। इसके बाद मैं, वामिका गब्बी, इमरान खान सर, सब फिर से उस फिल्म पर काम करना शुरू करेंगे। इन दोनों के साथ काम करने में भी बड़ा मजा आ रहा है। इमरान सर कमाल के ऐक्टर हैं। वो लेजेंड हैं। मैंने स्कूल में उनके गानों पर डांस किया है। मेरे लिए, अक्खा बॉलिवुड एक तरफ और इमरान सर के गाने एक तरफ जैसा आलम था। वहीं, वामिका को हाल ही में मैं चिढ़ा रहा था कि तुम मेरी फिल्म 'डकैत' के खिलाफ अपनी 'भूत बंगला' रिलीज कर रही हो।

विजय संग लिंकअप की रूमर्स के बीच तृषा का क्रिप्टिक पोस्ट

अभिनेत्री तृषा कृष्णन का नाम काफी वक्त से एक्टर विजय थलापति के साथ जोड़ा जा रहा है। लिंक अप की इन कथित अफवाहों के बीच तृषा ने हाल ही में एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसमें प्यार और जिंदगी को लेकर जिक्र किया गया है। उनके इस पोस्ट ने सबका ध्यान खींचा है।

'प्यार ही सबकुछ नहीं है'

अभिनेता थलापति विजय अब राजनीति में सक्रिय हैं। वे तमिलनाडु चुनाव में अपनी किस्मत आजमाने जा रहे हैं। तमाम राजनीतिक चर्चाओं के बीच विजय अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में हैं। उनका नाम तृषा से जोड़ा जा रहा है। इस बीच तृषा के इस क्रिप्टिक पोस्ट ने ऐसी चर्चाओं को और हवा दे दी है। बीते कुछ दिनों से तृषा चुप थीं, मगर हाल ही में उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट साझा किया है, जिसने सबका ध्यान खींचा है। तृषा कृष्णन ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट की स्टोरी पर एक पोस्ट साझा किया है। उन्होंने एक तस्वीर लगाई है, जिस पर कोट लिखा है, 'प्यार ही सब कुछ नहीं है, फिर भी प्यार के बिना सब कुछ बेमानी है। यही फैक्ट है'।

जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हूं...

इसके अलावा तृषा ने एक वीडियो भी इंस्टा स्टोरी पर पोस्ट किया है। इसकी लाइनें कुछ इस तरह हैं, 'मैं अपनी जिंदगी के ऐसे मोड़ पर हूं, जहां अब मैं बहस नहीं करती। अगर आप कहते हैं कि हाथी उड़ सकता है, तो आप बिल्कुल सही हैं। इसलिए नहीं कि मैं आपकी बात से सहमत हूं, बल्कि इसलिए कि मुझे आपको समझाने की इतनी परवाह नहीं है। मैंने एक जरूरी बात सीखी है कि सही होने से ज्यादा कीमती मन की शांति है। चुप रहना, किसी को कुछ समझाने से कहीं ज्यादा आसान है और हर कोई इस लायक नहीं होता कि आप अपनी ऊर्जा उस पर खर्च करें'।

विजय की शादी में आ चुकी है दरार?

एक्टर विजय अपनी राजनीतिक पारी शुरू करने से पहले अपनी निजी जिंदगी को लेकर सुर्खियों में हैं। बीते दिनों उनकी पत्नी संगीता ने तलाक के लिए कोर्ट का रुख किया था और वे अर्जी दाखिल कर चुकी हैं। संगीता ने विजय पर बेवफाई के आरोप लगाते हुए चेंगलपट्टू फैमिली कोर्ट में तलाक की याचिका दायर की है। एक्टर विजय को कई कार्यक्रमों में तृषा के साथ देखा गया, जिसके बाद दोनों के अफेयर की अटकलें लगने लगी थीं। तृषा के वर्क फ्रंट की बात करें तो वे फिल्म 'करुप्पु' में अभिनेता सूर्या के साथ नजर आएंगी। यह फिल्म 14 मई को रिलीज होने वाली है।

'धुरंधर' के बाद 'प्रलय' में नजर आएंगे रणवीर सिंह

रणवीर सिंह 'धुरंधर' के बाद फिल्म 'प्रलय' में नजर आएंगे। 'प्रलय' का निर्माण 2026 के बीच में शुरू हो जाएगा। इसके निर्माता हंसल मेहता ने हाल ही में जॉम्बी पर आधारित अपनी इस फिल्म के बारे में खुलकर बात की।

कितना है 'प्रलय' का बजट?

इस फिल्म का निर्देशन जय मेहता करेंगे। जय, हंसल मेहता के बेटे हैं। उन्होंने अपने पिता के साथ 'स्कैम 1992' का सह-निर्देशन किया था। फिल्म हंसल मेहता की कंपनी के बैनर तले बनेगी। रणवीर सिंह की प्रोडक्शन कंपनी भी सह-निर्माता है। फिल्म का बजट लगभग 300 करोड़ रुपये बताया जा रहे है।

'प्रलय' की कहानी?

हॉलीवुड रिपोर्टर इंडिया की एक खबर के अनुसार, फिल्म 'प्रलय' एक सर्वनाश (अपोकैलिप्स) के बाद की दुनिया की कहानी है, जिसमें जॉम्बी का आतंक फैला हुआ है। यह जोस सारामागो के प्रसिद्ध उपन्यास 'ब्लाइंडनेस' का रूपांतरण नहीं है। इसकी कहानी जय मेहता और विशाल कपूर ने मिलकर लिखी है। हंसल मेहता ने कहा कि 'ब्लाइंडनेस' जैसी किताब को फिल्म में अच्छे से नहीं उतारा जा सकता।

'प्रलय' की स्टार कास्ट

रणवीर सिंह के अलावा फिल्म में मुख्य अभिनेत्री के तौर पर कल्याणी प्रियदर्शन नजर आएंगी। कल्याणी प्रियदर्शन, मशहूर निर्देशक प्रियदर्शन की बेटी हैं। उनकी हाल की फिल्म 'लोका' काफी चर्चित रही है। फिल्म का शूटिंग 2026 के बीच में शुरू हो सकती है। फिल्म में एक अंतरराष्ट्रीय टीम भी काम करेगी।

साउथ के निर्देशक की फिल्म से टाइगर ब्रेक करेंगे एक्शन इमेज

हिंदी सिनेमा के 'एक्शन आइकन' कहे जाने वाला टाइगर श्रॉफ अपने करियर के सबसे अहम मोड़ पर खड़े हैं। 'गणपत' और 'बड़े मियां छोटे मियां' के उम्मीद से कम प्रदर्शन के बाद टाइगर ने अब अपनी रणनीति बदल दी है। अब वह सिर्फ स्टंट और फिटनेस के दम पर नहीं, बल्कि 'कंटेंट ड्रिवन' एक्शन फिल्मों पर दांव लगा रहे हैं। 10 अप्रैल से मुंबई में उनके एक महत्वाकांक्षी प्रोजेक्ट की शुरुआत हो रही है। टाइगर ने अपनी अगली फिल्म के लिए कन्नड़ निर्देशक सचिन रवि के साथ हाथ मिलाया है, जो 'अवाने श्रीमन्नारायण' जैसी तकनीकी रूप से मजबूत फिल्म के लिए जाने जाते हैं।

रीक्रिएट होगा 1980 के दशक का मुंबई

टाइगर की इस फिल्म में 1980 के दशक के मुंबई को रीक्रिएट किया जाएगा, जबकि क्लाइमैक्स यूरोप में शूट होगा। इसे टाइगर के करियर का सबसे अहम रीइन्वेंशन प्रोजेक्ट माना जा रहा है। इसके अलावा टाइगर ने अपनी मशीनी एक्शन हीरो वाली इमेज को तोड़ने के लिए 'लग जा गले' भी साइन की है। राज मेहता इसके निर्देशक हैं।

टाइगर ने अपनी फीस कम की

टाइगर की फिल्मों में अब विलेन और कास्टिंग पर खास ध्यान दिया जा रहा है। साउथ से शिवा राजकुमार या उपेंद्र जैसे साउथ स्टार्स को लाने की तैयारी है, जबकि 'वज्र' में जयदीप अहलावत या के के मेनन जैसे दिमाग से खेलने वाले विलेन पर विचार हो रहा है। साथ ही खबर है कि टाइगर ने अपनी फीस में भी कटौती की है, ताकि फिल्मों का बजट संतुलित रहे और ओटीटी-सैटेलाइट डील के जरिए पहले ही 50% रिकवरी सुनिश्चित हो सके।

'बागी 5' को भी पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं साजिद नाडियाडवाला

फिल्म समीक्षकों का तर्क है कि दर्शक अब केवल टाइगर के सिक्स पैक एब्स देखने के लिए थिएटर नहीं आते। वहीं 'बागी 4' की असफलता के बाद साजिद नाडियाडवाला अब दक्षिण भारतीय निर्देशक ए. हर्षा के साथ मिलकर 'बागी 5' को पूरी तरह रीबूट करने की तैयारी में हैं।

'रैम्बो' और 'वज्र' से लेंगे बड़े रिस्क और नए जोनर में एंट्री

टाइगर के लाइनअप में 'रैम्बो' सबसे बड़ा प्रोजेक्ट है, जिसका बजट 200 करोड़ रुपए से अधिक बताया जा रहा है। यह सिर्फ रीमेक नहीं, बल्कि भारतीय परिवेश में री-इमेजिन की गई फिल्म होगी, जिसकी शूटिंग लद्दाख, जॉर्जिया और आइसलैंड में होगी। वहीं राम माधवानी के साथ 'वज्र' को एक 'ग्रैंड स्केल स्पिरिचुअल एक्शन' फिल्म बताया जा रहा है, जिसमें भारतीय दर्शन का पुट होगा। इसकी शूटिंग ऋषिकेश, वाराणसी और नेपाल में की जाएगी। यह टाइगर के लिए एक ऐसा क्षेत्र है जहां उन्होंने पहले कभी हाथ नहीं आजमाया।

रोमांस छोड़ बॉक्सिंग का पंच लगाएंगे पुलकित सम्राट, ग्लोरी का टीजर रिलीज

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा स्टारर स्पोर्ट्स थ्रिलर 'ग्लोरी' का टीजर आज सामने आया है। रोमांस छोड़कर इस बार पुलकित बॉक्सिंग करते नजर आएंगे। टीजर को देखने के बाद फैंस इस सीरीज के लिए और पुलकित सम्राट को इस अंदाज में देखने के लिए काफी उत्सुक हैं। हरियाणा की ब्रूटल और इमोशनली चार्ज बॉक्सिंग की दुनिया पर आधारित 'ग्लोरी' का टीजर पारंपरिक स्पोर्ट्स ड्रामा से इतर एक जटिल कहानी की ओर इशारा करता है। इसमें बदला, महत्वाकांक्षा और टूटे हुए रिश्ते आपस में टकराते हैं। 1 मिनट 11 सेकंड के इस टीजर में बॉक्सिंग, मर्डर, सस्पेंस, पॉवर और थ्रिलर देखने को मिलता है। टीजर में त्याग, बलिदान और कष्ट की बात की जाती है।

1 मई से नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी सीरीज

करण अंशुमन और कनिष्क वर्मा द्वारा निर्देशित 'ग्लोरी' में दिव्येंदु शर्मा और पुलकित सम्राट प्रमुख भूमिका में नजर आएंगे। इसके अलावा सीरीज में 'धुरंधर' फेम सुविंदर विक्की, आशुतोष राणा, यशपाल शर्मा और सिकंदर खेर भी अहम भूमिकाओं में नजर आएंगे। एटॉमिक फिल्म्स के तहत निर्मित 'ग्लोरी' 1 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम करेगी।

पुलकित और दिव्येंदु के लिए महत्वपूर्ण है 'ग्लोरी'

पुलकित सम्राट और दिव्येंदु शर्मा के लिए 'ग्लोरी' काफी अहम है, क्योंकि दोनों को अपने करियर में एक बड़ी सफलता की जरूरत है। पुलकित सम्राट के वर्कफ्रंट की बात करें तो वो आखिरी बार 'राहु केतु' में नजर आए थे। जबकि दिव्येंदु शर्मा आखिरी बार पिछले साल रिलीज हुई 'साली मोहब्बत' में नजर आए थे। उनकी आगामी फिल्म में राम चरण की पैन इंडिया फिल्म 'पेद्दी' भी शामिल है।

प्रकाशक, मुद्रक एवं स्वामी : श्री शिवम ग्रोवर, मुद्रक : इंप्रेशन प्रिंटिंग प्रेस एंड पैकेजिंग लिमिटेड, भूतल प्लांट नं.-22, प्रथम तल, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-2, पंचकूला में मुद्रित। प्रकाशन स्थल : पंचकूला ऑब्जर्वर, प्लॉट नं.-365, औद्योगिक क्षेत्र, फेज-1, पंचकूला। मुख्य संपादक : श्री अरुण ग्रोवर, समाचार चयन एवं प्रकाशन की समस्त जिम्मेदारी प्रेस एवं रजिस्ट्रेशन ऑफ पीरियोडिकल्स (PRP) एक्ट के अंतर्गत पंचकूला न्यायालय क्षेत्राधिकार में निहित होगी। RNI पंजीकरण संख्या : HRB/L/25/A3417 संपर्क मोबाइल : 98888-86909, ई-मेल : panchkulaobservernews@gmail.com